विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -षष्ठ दिनांक -28-05-2020

विषय -हिन्दी शिक्षक -पंकज सर

सुप्रभात बच्चों आज पथ मेरा आलोकित कर दो नामक पाठ का भावार्थ स्पष्ट करेंगे

पाठ -1

शब्द	अर्थ
आलोकित	प्रकाशित
रश्मि	किरण
तम	अंधकार
विहग	पक्षी
निदिष्ट	निश्चित
नवल	नवीन
उर	ह्रदय
पथिक	राही यात्री
मंगलमय	कल्याणकारी

संकेत - पथ मेरा ----------तम हर दो।

सन्दर्भ -यह पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक " कादम्बरी के पथ मेरा आलोकित कर दो नामक पाठ से लिया गया है जिसके रचयिता द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी जी हैं।

भावार्थ -कवि कहते हैं कि हमें ईश्वर से प्रार्थना करनी चाहिए कि हे ईश्वर! नई सुबह की नई किरणों से मेरा रास्ता प्रकाशित कर दो, अर्थात मुझे सन्मार्ग दिखा दो। हे ईश्वर! तुम मेरे ह्रदय का अंधकार दूर कर दो अर्थात् मुझे **ज्ञान** रूपी प्रकाश दिखाओ।

(ख)मै नन्हा सा ----------पर दो।

भावार्थ -हे भगवान! मैं छोटा सा राहगीर संसार के रास्तों पर चलना सीख रहा हूँ। मैं छोटा सा पक्षी संसार रुपी आकाश में उड़ना सीख रहा हूँ। मैं अपने निदिष्ट स्थान पर पहुँचाना चाहता हूँ, अर्थात् अपने लक्ष्य को प्राप्त करना चाहता हूँ। इसकी प्राप्ति के लिए मुझे ऐसे पैर या पंख अर्थात् साधन दो की मै अपनी जीवन यात्रा में सफल हो सकूँ।

शेष अगले दिन अध्ययन करेंगे,